No. of Printed Pages : 4

M00562

ES-211

CERTIFICATE IN PRIMARY CURRICULUM AND INSTRUCTION(CPC)

Module 2 of DPE

Term-End Examination,

December 2019

ES-211 : TEACHING-LEARNING IN PRIMARY SCHOOLS

Time : 3 Hours] *[Maximum Weightage : 70%*

*Note : (i) All questions are **compulsory**.*

*(ii) All questions carry **equal** weightage.*

1. Answer the following question in about **600** words.

Differentiate between behaviourist and cognitivist approaches to learning. Discuss how do these approaches help in designing different learning activities.

OR

Discuss various teaching-learning strategies that you can adopt to teach primary children in multi-grade situations.

2. Answer the following question in about **600** words.

Explain the meaning of and need for cooperative learning. Discuss with examples. How you can organize cooperative learning at primary levels?

OR

How can you diagnose the learning difficulties of children in your class? Suggest remedial steps you would take to overcome learning difficulties of children.

3. Answer **any four** of the following questions in about **150** words each.

   a) Describe different ways children learn at primary level.

   b) Mention advantages and limitations of peer tutoring.

   c) Differentiate between reasoning questions and creating questions with examples.

   d) State various functions of communication.

   e) Illustrate, with examples how you can encourage students participation in teaching-learning process.

   f) Explain the concept of pupils evaluation.

4. Answer the following question in about **600** words.

   Identify a learning activity outside the classroom to be performed by your students. Describe the criteria you will follow while selecting the activity and steps you will follow while organising the activity.

ई.एस.-211

प्राथमिक पाठ्यचर्या एवं अनुदेशन में प्रमाण–पत्र (सी.पी.सी.)

डी.पी.ई. का मॉड्यूल 2

सत्रांत परीक्षा,

दिसंबर 2019

ई.एस.-211 : प्राथमिक विद्यालयों में अध्यापन–अधिगम

समय : 3 घण्टे] *[अधिकतम भारिता : 70%*

नोट : (i) ***सभी** प्रश्न **अनिवार्य** हैं।*

(ii) ***सभी** प्रश्नों की भारिता **समान** है।*

---

1. निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर लगभग 600 शब्दों में दीजिए।
अधिगम के संबंध में व्यवहारगत एवं संज्ञानात्मक दृष्टिकोणों में अंतर स्पष्ट कीजिए। विभिन्न अधिगम कार्यकलापों की रूपरेखा तैयार करने में ये दृष्टिकोण कैसे सहायक होते हैं?

अथवा

विविध अध्ययन–अध्यापन रणनीतियों की चर्चा कीजिए जिन्हें आप मल्टी–ग्रेड स्थितियों के तहत प्राथमिक स्कूली बच्चों के शिक्षण अंगीकृत कर सकते हैं।

2. निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर लगभग 600 शब्दों में दीजिए।
सहयोगपरक अधिगम के अर्थ एवं आवश्यकता का वर्णन कीजिए। प्राथमिक स्तर पर आप सहयोगपरक शिक्षा का आयोजन कैसे कर सकते हैं? उदाहरण की सहायता से चर्चा कीजिए।

अथवा

अपनी कक्षा के बच्चों की अधिगम संबंधी कठिनाइयों का पता आप कैसे लगा सकते हैं? बच्चों की अधिगम संबंधी कठिनाइयों को दूर करने के निवारक उपायों का सुझाव दीजिए।

3. निम्नलिखित प्रश्नों में से **किन्हीं चार** के उत्तर (प्रत्येक) लगभग 150 शब्दों में दीजिए।

   क) प्राथमिक स्तर पर बच्चों के अधिगम के विभिन्न तरीकों का वर्णन कीजिए।

   ख) समसमूह शिक्षा के लाभ एवं सीमाओं का उल्लेख कीजिए।

   ग) तर्कपूर्ण प्रश्नों एवं मौलिक प्रश्नों का अंतर, उदाहरण देते हुए स्पष्ट कीजिए।

   घ) संप्रेषण (संचार) के विविध प्रकार्यों को व्यक्त कीजिए।

   च) उदाहरण देते हुए समझाइए कि आप अध्ययन-अध्यापन प्रक्रिया में विद्यार्थी सहभागिता को बढावा कैसे दे सकते हैं?

   छ) विद्यार्थी मूल्यांकन की संकल्पना का वर्णन कीजिए।

4. निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर लगभग 600 शब्दों में दीजिए।

   आपके विद्यार्थियों द्वारा कक्षा के बाहर आयोजित की जाने वाली किसी अधिगम क्रियाकलाप की पहचान कीजिए। क्रियाकलाप का चयन करते समय आप किन मानदंडों का अनुसरण करेंगे और क्रियाकलाप का आयोजन करते समय आपके द्वारा उठाए जानेवाले जरूरी पदों का भी वर्णन कीजिए।

✧✧✧✧✧✧